

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,

पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/देहरादून,

उत्तराखण्ड।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 25 मार्च, 2009

विषय:-वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-425/XVI/08/7(26)/08, दिनांक-15 अप्रैल, 2008 के क्रम में निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड के पत्रांक-1078/1-1(102)/2008-09, दिनांक-24 फरवरी, 2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा वार्षिक जिला योजना 2008-09 में उद्यान विभाग से सम्बन्धित अनुसूचित जाति क्षेत्र उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) योजनाओं के लिए समग्र रूप से अनुमोदित रू0-91.09 लाख की परिव्यय के सापेक्ष वार्षिक आय-व्ययक में बजट प्राविधान कम होने की स्थिति में अनुमोदित परिव्यय की सीमान्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होने के दृष्टिगत 0292-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री उपलब्ध कराना की योजना के क्रियान्वयन हेतु रू0-4.59 लाख (रू0 चार लाख उनसठ हजार मात्र) की धनराशि का पुनर्विनियोग 0201-प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास योजना में उपलब्ध बचतों से संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार स्वीकृत करते हुए इतनी ही धनराशि संलग्नक-1 में उल्लिखित विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय, जिला योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकेन्द्रीकरण के अन्तर्गत जिलाधिकारियों/मण्डलायुक्तों को वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन किये जाने विषयक मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-624/जि0यो0/रा0यो0आ0 मु0स0/2008, दिनांक-24 मार्च, 2008 के माध्यम से निर्धारित की गई व्यवस्था का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित परिव्यय के सीमान्तर्गत ही की जायेगी। अनुमोदित परिव्यय की सीमा से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।

(2) इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों के लिये ही किया जायेगा।

(3) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 के माध्यम से निर्गत दिशा-निर्देशों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत अन्य दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

(4) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर निदेशक, उद्यान के माध्यम से शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।



- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (7) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (8) व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- (9) यह सुनिश्चित कर लिया जाय, कि आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जा रहा है। योजनान्तर्गत प्रत्येक कार्यक्रम की कार्ययोजना भी तैयार की जाय, जिससे कार्यक्रम क्रियान्वयन की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके।
- (10) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-92-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री उपलब्ध कराना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा, तथा संलग्न बी०एम०-15 के कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- (11) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-391 (P)/XXVII-4/2008, दिनांक-24 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या- 267/XVI(1)/09/7(26)/08 तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3-निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।
- 4-वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/देहरादून/कोषाधिकारी, डीडिहाट।
- 5-वित्त अनुभाग-4/समाज कल्याण अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7-उप निदेशक, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 8-जिला उद्यान अधिकारी, पिथौरागढ़/उत्तरकाशी/देहरादून।
- 9-आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी, मुनस्यारी/उत्तरकाशी।
- 10-राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 11-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के०पी०पाटनी)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या-267/XVI(1)/09/7(26)/08, दिनांक-²⁵ मार्च, 2009 का संलग्नक-1

क्र० सं०	जनपद का नाम	आहरण वितरण अधिकारी/ कार्यालयाध्यक्ष का नाम	(धनराशि रुपये हजार में) योजनान्तर्गत 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद में पुनर्विनियोग द्वारा स्वीकृत धनराशि का विवरण।
1	2	3	4
1	पिथौरागढ़	जिला उद्यान अधिकारी, पिथौरागढ़	60
		आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी, मुनस्यारी	54
2	उत्तरकाशी	जिला उद्यान अधिकारी, उत्तरकाशी	190
		आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी, उत्तरकाशी	80
3	देहरादून	जिला उद्यान अधिकारी, देहरादून	75
		कुल योग:-	459

(रुपये चार लाख उनसठ हजार मात्र)

सिपाई
(कै०पी०पाटनी)
अनु सचिव।

पुर्नविनियोग विवरण पत्र वर्ष 2008-09 (आयोजनागत से आयोजनागत)
नियंत्रक अधिकारी- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड
प्रशासनिक विभाग-उद्यान एवं रेशम विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

(धनराशि रुपये हजार में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि का स्थानान्तरण होना है।	पुर्नविनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुर्नविनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत -119-बागवानी और सब्जियों की फसलें- 02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-				अनुदान संख्या-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत -119-बागवानी और सब्जियों की फसलें- 02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-			(क) संगत योजना के लिए जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परियोजना से अधिक बजट प्राविधान होने की स्थिति में बचत उपलब्ध होने के कारण। (ख) जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परियोजना के अनुरूप बजट प्राविधान नहीं हो पाने की स्थिति में परियोजना की सीमान्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होने के कारण।
01-प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास (जिला योजना) 20-सहायक अनुदान / अंशदान / राज सहायता- 18285	1326	1164	459	92-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री उपलब्ध कराना 20-सहायक अनुदान / अंशदान / राज सहायता- 459	4711	17826	
योग:- 18285	1326	1164	459(क)	459 (ख)	4711	17826	

पुर्नविनियोग की संस्तुति की जाती है, तथा प्रमाणित किया जाता है, कि बजट में कुल के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं हो रहा है।

(विनोद फोनिया)

सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4
संख्या- 391-A (P)/XXVII-04/08
देहरादून: दिनांक-24 मार्च, 2009

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,
महालेखाकार,
उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग,
सहारनपुर रोड, देहरादून।

(एम0सी0जोशी)
अपर सचिव(वित्त)

संख्या-267 /XVII(1)/09/7(26)/08, तद्दिनांकित। 25.3.2009
प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड।
2- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ / उत्तरकाशी / देहरादून।
3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़ / उत्तरकाशी / देहरादून / कोषाधिकारी, डीडीहाट।
4- वित्त अनुभाग-4 / नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5- निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।
6- गार्ड फाइल।

(के0पी0पाटनी)
अनु सचिव।